NEWSLETTER

Saturday, 7 september 2024 | Volume - 114

News | Cotton Weekly Physical chart | Share Market Update | Important News

तमिलनाडु में कपड़ा मिलों को अपना कारोबार जारी रखने के लिए कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

GOLD :71426
SILVER : 82757
CRUDE OIL : 5704

तमिलनाडु में कपड़ा मिलों को अपना कारोबार जारी रखने के लिए कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

पिछले दो सालों से तमिलनाडु में कपड़ा मिलों को मांग में कमी, बिजली की उच्च लागत और कच्चे माल की अपेक्षाकृत अधिक कीमतों का सामना करना पड़ रहा है। उद्योग अपनी चुनौतियों का समाधान करने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों से उपाय करने की मांग कर रहा है, ताकि यह अन्य राज्यों के खिलाड़ियों के हाथों अपना बाजार न खो दे।

राज्य में 24 मिलियन स्पिंडल वाली लगभग 2,100 कपड़ा मिलों में पिछले दो सालों में उत्पादन में इतनी कमी आई है कि लगभग 500 इकाइयों ने उत्पादन बंद कर दिया है और 1,000 से अधिक इकाइयाँ अपनी क्षमता का केवल एक हिस्सा ही चला पा रही हैं।

साउथर्न इंडिया मिल्स एसोसिएशन (SIMA) के पूर्व अध्यक्ष रवि सैम ने कहा कि गुजरात, महाराष्ट्र, ओडिशा या मध्य प्रदेश जैसे राज्यों से कपड़ा मिलों द्वारा आपूर्ति किया जाने वाला धागा तमिलनाडु की तुलना में ₹20 से ₹25 प्रति किलोग्राम सस्ता है।

तिरुपुर एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन के मानद अध्यक्ष ए. शक्तिवेल के अनुसार, तिरुपुर में निटवियर इकाइयों ने अन्य राज्यों की मिलों से धागा खरीदना शुरू कर दिया है, क्योंकि ये इकाइयां प्रतिस्पर्धी कीमतों पर आपूर्ति करती हैं।

SIMA के अध्यक्ष एस.के. सुंदररामन ने कहा कि तमिलनाडु में कपड़ा मिलें कई उद्देश्यों के लिए और विभिन्न गुणवत्ता में धागा बनाती हैं। उन्होंने कहा, "होजरी धागा (तिरुपुर में परिधान इकाइयों को आपूर्ति किया गया) वास्तव में एक कमोडिटी है।" यह अनुमान लगाया गया था कि 100 से भी कम मिलें तिरुपुर में निटवियर इकाइयों को होजरी धागा आपूर्ति करती हैं। लेकिन, वे उस बाजार को खो रहे थे।

तमिलनाडु में मिलें परिवर्तन के दौर से गुजर रही हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें एकीकृत सुविधा में निवेश करने और मूल्य संवर्धन में उतरने, या उच्च गिनती वाले धागे के उत्पादन की ओर बढ़ने, या परिधान खरीदारों द्वारा नामित होने की आवश्यकता है।

तमिलनाडु में मिलें परिवर्तन के दौर से गुजर रही हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें एकीकृत सुविधा में निवेश करने और मूल्य संवर्धन में उतरने, या उच्च गिनती वाले धागे के उत्पादन की ओर बढ़ने, या परिधान खरीदारों द्वारा नामित होने की आवश्यकता है।

कोयंबटूर में एक प्रमुख कपड़ा मिल मालिक ने कहा कि कुछ अंतरराष्ट्रीय परिधान ब्रांडों ने गुजरात में कुछ कपड़ा मिलों को इन ब्रांडों के लिए बनाए जाने वाले परिधानों के लिए धागे के आपूर्तिकर्ता के रूप में नामित किया है। इसलिए, परिधान निर्माताओं के पास इन मिलों से धागा खरीदने के अलावा कोई विकल्प नहीं था।
नामांकन उन कारकों में से एक था जिसने राज्य में कपड़ा मिलों को प्रभावित किया था। उन्होंने कहा कि यहाँ की मिलों ने अपने यार्न आपूर्तिकर्ता के रूप में नामांकित होने के लिए अंतर्राष्ट्रीय परिधान खरीदारों के साथ सक्रिय रूप से प्रयास नहीं किया।

दूसरा कारक जिसने तमिलनाडु में कपड़ा मिलों को बुरी तरह प्रभावित किया है, वह है गुजरात, मध्य प्रदेश और ओडिशा जैसे राज्यों द्वारा पेश किया जाने वाला पैकेज। चूँकि तमिलनाडु में कपास की आवश्यक मात्रा का उत्पादन नहीं होता है, इसलिए यहाँ की मिलें इसे अन्य राज्यों से खरीदती हैं।

श्री रवि सैम ने कहा, "ऐसी खबरें हैं कि हमें गुजरात से पर्याप्त कपास नहीं मिल पाता है, क्योंकि उस राज्य में मिलों की संख्या बढ़ गई है।" अन्य राज्यों से तमिलनाडु तक स्वच्छ कपास पहुँचाने की लागत ₹8 से ₹10 प्रति किलोग्राम है। बिजली, पूंजी निवेश, ब्याज भुगतान और कौशल विकास के लिए अन्य राज्यों द्वारा दी जाने वाली सब्सिडी ने यहाँ की मिलों की प्रतिस्पर्धात्मकता को प्रभावित किया है।

उद्योग सूत्रों का कहना है कि तमिलनाडु को अधिक अतिरिक्त लंबे स्टेपल कपास उगाने और कम से कम बिजली लागत के मामले में यहाँ की मिलों का समर्थन करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।
उनका कहना है कि केंद्र को कपास पर आयात शुल्क हटा देना चाहिए और गुणवत्ता नियंत्रण आदेशों में ढील देनी चाहिए ताकि एमएसएमई क्षेत्र की कपड़ा मिलें प्रतिस्पर्धी बन सकें।

Download Our App "SIS CONNECT" For Daily Updates. CLICK HERE

FOR MORE INFORMATION
CONTACT - +91 - 91119 77775

कॉटन मार्केट की साप्ताहिक हलचल पर एक नजर

SMART INFO SERVICES

CALL : 91116 77771

WEEKLY CHART 07.09.2024

ICE COTTON			
MONTH	30.08.24	06.09.24	WEEKLY CHANGE
DEC	69.99	67.88	-2.11
MAR'25	71.65	69.69	-1.96
MAY'25	72.87	71.02	-1.85
MCX (COTTON)			
SEP	58000	59000	1000
NCDEX (KAPAS)			
APRIL	1610	1622	12
NCDEX (COCUD KHAL)			
SEP	3532	3452	-80
DEC	2945	2975	30
JAN	2939	2962	23
SMART INFO SERVICE		CALL : 91116 77771	
CURRENCY ($)			
INDIAN (Rupee)	83.86	83.95	0.09
PAK (Pakistani Rupee)	278.57	278.408	-0.162
CNY (Chinese yuan)	7.09007	7.08763	-0.00244
BRAZIL (Real)	5.61043	5.59875	-0.01168
AUSTRALIAN Dollar	1.47844	1.49937	0.02093
MALAYSIAN RINGGITS	4.31999	4.33324	0.01325
COTLOOK "A" INDEX	81.20	80.80	-0.4
BRAZIL COTTON INDEX	68.63	70.83	2.20
USDA SPOT RATE	63.97	61.37	-2.60
MCX SPOT RATE	58400	60140	1740
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	18700	18300	-400
GOLD ($)	2527.60	2524.60	-3
SILVER ($)	29.143	28.183	-0.96
CRUDE ($)	73.55	67.67	-5.88

इस सप्ताह, इंटरनेशनल मार्केट मे मिलाजुला वाला माहौल रहा।

इंटरकांटिनेंटल कॉटन एक्सचेंज के भाव दिसंबर 2.11 सेंट, मार्च 1.96 एवं मई 1.85 सेंट तक गिरे।

भारतीय बाजार MCX पर कॉटन के दाम में सितम्बर माह में 1,000 रुपऐ की बढ़त देखने को मिली।
NCDEX पर कपास के भाव 12 रूपए प्रति 20 किलो तक बढ़े, वहीं खल के भाव देखे तो सितम्बर माह में 80 रुपए की गिरावट, जबकि दिसंबर माह में 30 रुपए, और जनवरी माह में 23 रुपए प्रति क्विंटल की बढ़त दर्ज की गई।

अन्य देशों के कॉटन मार्केट पर नजर करें तो कॉटलुक "ए" इंडेक्स में गिरावट देखी गई, USDA स्पॉट रेट 2.60 सेंट गिरा, वही MCX स्पॉट रेट में 1740 रुपए प्रति कैंडी भाव में बढ़त देखने को मिली।

देश भर के प्रमुख कपास उत्पादक राज्यों में इस सप्ताह कपास की आवक

SMART INFO SERVICES

ALL INDIA COTTON WEEKLY ARRIVAL

CALL : 91116 77771

STATE	02.09.24	03.09.24	04.09.24	05.09.24	06.09.24	07.09.24
PUNJAB	-	-	-	-	-	-
HARYANA	-	-	-	-	-	-
UPPER RAJASTHAN	-	-	-	-	-	-
LOWER RAJASTHAN	-	-	-	-	-	-
NORTH ZONE	-	-	-	-	-	-
GUJARAT	1,800	1,800	1,800	1,800	1,800	-
MADHYA PRADESH	-	-	-	-	-	-
MAHARASHTRA	2,000	2,000	1,700	1,700	1,700	1,000
CENTRAL ZONE	3,800	3,800	3,500	3,500	3,500	1,000
KARNATAKA	1,200	1,500	1,200	1,500	1,200	500
ANDHRA PRADESH	500	500	500	500	800	500
TELANGANA	-	-	-	-	-	-
TAMILNADU	-	-	-	-	-	-
SOUTH ZONE	1,700	2,000	1,700	2,000	2,000	1,000
ODISHA	-	-	-	-	-	-
TOTAL	5,500	5,800	5,200	5,500	5,500	2,000

ARRIVAL IN 170 Kg.

कंटेनर की कमी और बढ़ती शिपिंग लागत ने तिरुपुर के कपड़ा उद्योग को बुरी तरह प्रभावित किया है

पिछले तीन महीनों में कंटेनर की भारी कमी और शिपिंग लागत में तेज वृद्धि के कारण तिरुपुर में कपड़ा निर्यात उद्योग पर काफी असर पड़ा है।

शिपिंग, खास तौर पर यूरोप, यूके, यूएसए और अरब देशों जैसे प्रमुख बाजारों में तिरुपुर से परिधान निर्यात में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। माल मुख्य रूप से तूतीकोरिन, चेन्नई और कोच्चि के बंदरगाहों के माध्यम से भेजा जाता है, जिसमें तूतीकोरिन तिरुपुर के लगभग 80% निर्यात को संभालता है।

तिरुपुर निर्यातक और निर्माता संघ के अध्यक्ष एम पी मथुरा थिनम ने निर्यात व्यवसाय में समय पर डिलीवरी के महत्व पर जोर दिया। "तिरुपुर से कपड़ों को कंटेनर ट्रकों द्वारा तूतीकोरिन ले जाया जाता है, फिर कोलंबो भेजा जाता है, जहाँ उन्हें बड़े जहाजों में स्थानांतरित किया जाता है। हालाँकि, कंटेनर की कमी ने इस प्रक्रिया को बुरी तरह से बाधित कर दिया है, जिससे पिछले तीन महीनों से परिधान निर्यात व्यवसाय प्रभावित हो रहा है। तीन महीने पहले, 40-फुट कंटेनर की कीमत $1,700 थी; अब कमी के कारण यह बढ़कर $7,000 हो गई है।"

भारत कंटेनरों के लिए चीन पर बहुत अधिक निर्भर करता है, जहाँ उत्पादन में देरी ने समस्या को और बढ़ा दिया है। पहले, आयातित माल के साथ चीन से लौटने वाले कंटेनरों को निर्यात से भर दिया जाता था। हालाँकि, अब उन्हें अक्सर खाली वापस भेज दिया जाता है, क्योंकि शिपिंग कंपनियाँ यूरोप और यूएसए के मार्गों को प्राथमिकता देती हैं, जहाँ वे अधिक लाभ कमाती हैं।

एक निर्यातक ने उल्लेख किया कि हवाई माल ढुलाई की लागत समुद्री माल ढुलाई की तुलना में चार गुना अधिक है, जिससे शिपिंग परिवहन का पसंदीदा तरीका बन गया है। उन्होंने भारत द्वारा घरेलू स्तर पर कंटेनरों का उत्पादन शुरू करने की आवश्यकता पर बल दिया। "केंद्र सरकार को इस मुद्दे से निपटने के लिए सार्वजनिक क्षेत्र की शिपिंग फर्म स्थापित करने पर विचार करना चाहिए। दुर्भाग्य से, केंद्र ने अभी तक इस दिशा में कोई महत्वपूर्ण कदम नहीं उठाया है। निर्यात में व्यवधान को अस्थायी माना जाता है, लेकिन इसका रोजगार, व्यापार और विदेशी मुद्रा आय पर दीर्घकालिक प्रभाव पड़ता है।"

तिरुपुर एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष के एम सुब्रमण्यन ने बताया कि बढ़ती शिपिंग लागत ने व्यवसायों को अपने उत्पादों की कीमतें बढ़ाने के लिए मजबूर किया है, जिससे बांग्लादेश और वियतनाम जैसे देशों के साथ प्रतिस्पर्धा करना मुश्किल हो गया है। "तिरुपुर में, 90% कपड़ा खिलाड़ी सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (MSME) हैं, जिनमें से केवल 10% बड़ी कंपनियाँ हैं। बढ़ी हुई शिपिंग लागत का बोझ विशेष रूप से इन छोटे उद्यमों पर भारी पड़ता है।"

आज गणेश चतुर्थी के पावन पर्व पर हुए महुर्त सौदे

जय किसान काट स्पिन आकोट महाराष्ट्र न्यु कपास का मुहूर्त 9,001 रुपए क्विंटल पर हुआ।

श्रीजी जिनिंग धरणगांव महाराष्ट्र न्यु कपास का मुहूर्त 7,153 रुपए क्विंटल पर हुआ।

TOP 5 NEWS OF THE WEEK

तमिलनाडु की कपड़ा मिलें कई चुनौतियों से जूझ रही हैं

तमिलनाडु में कपड़ा कारखाने गंभीर चुनौतियों से जूझ रहे हैं, जिसमें मांग में गिरावट, बिजली की उच्च लागत और कच्चे माल की बढ़ी हुई कीमतें शामिल हैं, जो लगभग दो वर्षों से बनी हुई हैं। अन्य राज्यों के प्रतिस्पर्धियों के लिए बाजार हिस्सेदारी खोने से बचने के लिए, उद्योग केंद्र और राज्य सरकारों दोनों से इन मुद्दों को हल करने के लिए हस्तक्षेप करने का आग्रह कर रहा है।

तेलंगाना में बारिश और बाढ़ ने 20 लाख एकड़ से ज़्यादा फसलें तबाह कर दीं

हाल ही में हुई भारी बारिश और बाढ़ से तेलंगाना बुरी तरह प्रभावित हुआ है, जिसकी वजह से पूरे राज्य में फसलें बर्बाद हो गई हैं। शुरुआती अनुमानों के मुताबिक करीब 4.15 लाख एकड़ में फसलें बर्बाद हुई हैं, लेकिन सूत्रों के मुताबिक 20 लाख एकड़ से ज़्यादा फसलें बर्बाद हो गई हैं। पूरी तरह से आंकलन के बाद अंतिम आंकड़ों की पुष्टि की जाएगी, लेकिन अधिकारी इस मौसम में फसल उत्पादन में उल्लेखनीय गिरावट को लेकर पहले से ही चिंतित हैं।

भारत सरकार के अनुसार भारतीय कपड़ा उद्योग 2030 तक 300 बिलियन डॉलर तक पहुंचने की ओर अग्रसर, निर्यात में 100 बिलियन डॉलर का लक्ष्य है

भारतीय कपड़ा उद्योग में 2030 तक 300 बिलियन डॉलर की ताकत बनने की क्षमता है, जिसमें 100 बिलियन डॉलर निर्यात से आने की उम्मीद है, सरकार ने बुधवार को घोषणा की। कपड़ा और विदेश मामलों के राज्य मंत्री पाबित्रा मार्गेरिटा के अनुसार, वर्तमान में 175 बिलियन डॉलर के मूल्य वाले इस उद्योग में 38-40 बिलियन डॉलर का निर्यात शामिल है, जो भारत के सकल घरेलू उत्पाद को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

उत्तर गुजरात के किसान मानसून की तबाही से चिंतित

इस साल उत्तर गुजरात के किसानों के लिए मानसून अभिशाप साबित हो रहा है। लगातार बारिश ने कपास और अरंडी जैसी प्रमुख फसलों को बर्बाद कर दिया है। खेतों में पानी भरने से फसलें सड़ रही हैं, जिससे किसानों की मेहनत बर्बाद हो गई है और उनकी चिंता बढ़ गई है।

पीएलआई लाभ का विस्तार कपड़ा वस्तुओं तक होने की संभावना

सरकार कपड़ा, फार्मास्यूटिकल्स और सौर फोटोवोल्टिक्स (पीवी) क्षेत्रों में अतिरिक्त वस्तुओं के लिए उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना का विस्तार करने की योजना बना रही है, साथ ही इसकी अवधि को पांच से छह साल तक बढ़ाने पर भी विचार कर रही है। इस कदम का उद्देश्य घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देना, निवेश को बढ़ावा देना और उत्पादन और निर्यात को बढ़ाना है।

इस सप्ताह, रुई बाजार में बढ़त वाला माहौल देखा गया।

इस सप्ताह, रुई बाजार में बढ़त वाला माहौल देखा गया।

नार्थ झोन के पंजाब, हरियाणा और अपर राजस्थान राज्य में 125-150 रुपए प्रति मंड तक की बढ़त दर्ज की गई।

सेंट्रल झोन के गुजरात, मध्यप्रदेश राज्य, महाराष्ट्र राज्य में 500-1200 रुपए प्रति कैंडी की बढ़त देखि गई।

साउथ झोन के ओड़िशा, कर्णाटक,आँध्रप्रदेश और तेलंगाना राज्य में 1000-1600 रुपए प्रति कैंडी तक बढ़त नज़र आयी।

SMART INFO SERVICES
india.smartinfo@gmail.com
Call : 91116 77771

DATE: 07.09.2024

WEEKLY COTTON BALES MARKET

STATE	STAPLE LENGTH	02.09.2024		07.09.2024		CHANGE
		LOW	HIGH	LOW	HIGH	
NORTH ZONE						
PUNJAB	28.5	5,725	5,750	5,875	5,900	150
HARYANA	27.5/28	5,625	5,625	5,775	5,775	150
UPPER RAJASTHAN	28	5,450	5,775	5,550	5,900	125
CENTRAL ZONE						
GUJARAT	29	57,500	59,000	58,700	60,200	1,200
MADHYA PRADESH	29	59,200	59,500	59,800	60,000	500
MAHARASHTRA	29+ vid.	59,000	59,500	59,500	60,000	500
SMART INFO SERVICES CALL : 91116 77771						
SOUTH ZONE						
ODISHA	29.5+	59,000	59,100	60,600	60,700	1,600
KARNATAKA	29.5+	58,500	59,000	59,800	60,300	1,300
ANDHRA PRADESH	29 mic 4+	58,500	59,000	58,500	59,000	0
TELANGANA	29.5/30 mm 78-80 RD	59,300	60,000	60,500	61,000	1,000

NOTE : There may be some changes in the rate depending on the quality.
Punjab, Haryana and Rajasthan rates in maund the rest in Candy

NEWSLETTER

Saturday, 7 september 2024 | Volume - 114

Textile mills in Tamil Nadu face multiple challenges to sustain

GOLD :71426
SILVER : 82757
CRUDE OIL : 5704

Textile mills in Tamil Nadu face multiple challenges to sustain business

For almost two years, textile mills in Tamil Nadu are hit by slump in demand, high power costs, and relatively higher raw material prices. The industry is seeking measures from the Central and State governments to address its challenges so that it does not lose its market to players from other States.

About 2,100 textile mills in the State, with 24 million spindles, have seen production dwindling in the last two years to such an extent that almost 500 units have stopped production and 1,000 more units run only a portion of its capacity.

Ravi Sam, former chairman of the Southern India Mills' Association (SIMA), said yarn supplied by textile mills from States such as Gujarat, Maharashtra, Odisha or Madhya Pradesh was ₹20 to ₹25 a kg cheaper than Tamil Nadu.

According to A. Sakthivel, honorary chairman of the Tiruppur Exporters' Association, the knitwear units in Tiruppur had started buying yarn from mills in other States as these units supplied at competitive prices.

S.K. Sundararaman, chairman of the SIMA, said textile mills in Tamil Nadu made yarn for multiple purposes and in different qualities. "Hosiery yarn (supplied to garment units in Tiruppur) is truly a commodity," he said. It was estimated that less than 100 mills supplied hosiery yarn to knitwear units in Tiruppur. But, they were losing that market.

The mills in Tamil Nadu were in a transformative phase. They need to invest in integrated facility and get into value addition, or move to production of higher count yarns, or get nominated by garment buyers, he said.

A leading textile mill owner in Coimbatore said some of the international garment brands had nominated some of the textile mills in Gujarat as suppliers of yarn for the garments to be made for these brands. So, the garment manufacturers had no option, but to source yarn from these mills.

Nomination was one of the factors that had impacted textile mills in the State. The mills here did not pursue actively with the international garment buyers to get nominated as their yarn supplier, he said.

The other factor that has impacted the textile mills in Tamil Nadu severely is the package offered by States such as Gujarat, Madhya Pradesh, and Odisha. Since Tamil Nadu does not produce the required quantity of cotton, the mills here procure it from other States.

"It is reported that we do not get adequate cotton from Gujarat because the number of mills in that State has increased," said Mr. Ravi Sam. The cost of transporting clean cotton from other States to Tamil Nadu is ₹8 to ₹10 a kg. The subsidies offered by other States for power, capital investment, interest payment, and skill development has affected competitiveness of the mills here.

Tamil Nadu should focus on growing more extra long staple cotton and supporting the mills here at least in terms of power costs, say industry sources.

The Centre should remove the import duty on cotton and relax the Quality Control Orders to that textile mills in the MSME segment are able to be competitive, they say.

look at the weekly movement of the cotton market

SMART INFO SERVICES CALL : 91116 77771 WEEKLY CHART 07.09.2024			
ICE COTTON			
MONTH	30.08.24	06.09.24	WEEKLY CHANGE
DEC	69.99	67.88	-2.11
MAR'25	71.65	69.69	-1.96
MAY'25	72.87	71.02	-1.85
MCX (COTTON)			
SEP	58000	59000	1000
NCDEX (KAPAS)			
APRIL	1610	1622	12
NCDEX (COCUD KHAL)			
SEP	3532	3452	-80
DEC	2945	2975	30
JAN	2939	2962	23
SMART INFO SERVICE		**CALL : 91116 77771**	
CURRENCY ($)			
INDIAN (Rupee)	83.86	83.95	0.09
PAK (Pakistani Rupee)	278.57	278.408	-0.162
CNY (Chinese yuan)	7.09007	7.08763	-0.00244
BRAZIL (Real)	5.61043	5.59875	-0.01168
AUSTRALIAN Dollar	1.47844	1.49937	0.02093
MALAYSIAN RINGGITS	4.31999	4.33324	0.01325
COTLOOK "A" INDEX	81.20	80.80	-0.4
BRAZIL COTTON INDEX	68.63	70.83	2.20
USDA SPOT RATE	63.97	61.37	-2.60
MCX SPOT RATE	58400	60140	1740
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	18700	18300	-400
GOLD ($)	2527.60	2524.60	-3
SILVER ($)	29.143	28.183	-0.96
CRUDE ($)	73.55	67.67	-5.88

This week, the international market witnessed a mixed trend.

Intercontinental Cotton Exchange prices fell by 2.11 cents in December, 1.96 cents in March and 1.85 cents in May.

Cotton prices on the Indian market MCX saw a rise of Rs 1,000 in the month of September.

Cotton prices on NCDEX rose by Rs 12 per 20 kg, while the prices of oil cake saw a fall of Rs 80 in September, an increase of Rs 30 in December and Rs 23 per quintal in January.

If we look at the cotton market of other countries, Cotlook "A" index saw a fall, USDA spot rate fell by 2.60 cents, while MCX spot rate saw an increase of Rs 1740 per candy.

Cotton arrivals this week in major cotton producing states across the country

SMART INFO SERVICES ALL INDIA COTTON WEEKLY ARRIVAL CALL : 91116 77771						
STATE	02.09.24	03.09.24	04.09.24	05.09.24	06.09.24	07.09.24
PUNJAB	-	-	-	-	-	-
HARYANA	-	-	-	-	-	-
UPPER RAJASTHAN	-	-	-	-	-	-
LOWER RAJASTHAN	-	-	-	-	-	-
NORTH ZONE	-	-	-	-	-	-
GUJARAT	1,800	1,800	1,800	1,800	1,800	-
MADHYA PRADESH	-	-	-	-	-	-
MAHARASHTRA	2,000	2,000	1,700	1,700	1,700	1,000
CENTRAL ZONE	3,800	3,800	3,500	3,500	3,500	1,000
KARNATAKA	1,200	1,500	1,200	1,500	1,200	500
ANDHRA PRADESH	500	500	500	500	800	500
TELANGANA	-	-	-	-	-	-
TAMILNADU	-	-	-	-	-	-
SOUTH ZONE	1,700	2,000	1,700	2,000	2,000	1,000
ODISHA	-	-	-	-	-	-
TOTAL	5,500	5,800	5,200	5,500	5,500	2,000
ARRIVAL IN 170 Kg.						

Container Shortage and Rising Shipping Costs Severely Impact Tirupur's Textile Industry

The textile export industry in Tirupur has been significantly impacted by a severe container shortage and a sharp increase in shipping costs over the past three months.

Shipping plays a vital role in garment exports, especially from Tirupur to key markets such as Europe, the UK, the USA, and Arab countries. Goods are primarily shipped through the ports of Tuticorin, Chennai, and Kochi, with Tuticorin handling about 80% of Tirupur's exports.

M P Muthurathinam, president of the Tirupur Exporters and Manufacturers Association, emphasized the importance of timely delivery in the export business. "Garments from Tirupur are transported by container trucks to Tuticorin, then shipped to Colombo, where they are transferred to larger vessels. However, the container shortage has severely disrupted this process, affecting the garment export business for the last three months. Three months ago, the cost of a 40-foot container was $1,700; it has now surged to $7,000 due to the shortage."

India relies heavily on China for containers, where production delays have further exacerbated the issue. Previously, containers returning from China with imported goods were refilled with exports. However, they are now frequently sent back empty, as shipping companies prioritize routes to Europe and the USA, where they earn higher profits.

An exporter noted that air freight costs are four times higher than sea freight, making shipping the preferred mode of transport. He stressed the need for India to start producing containers domestically. "The Union government should consider establishing public sector shipping firms to tackle the issue. Unfortunately, the Centre has not yet taken any significant steps in this direction. Export disruptions are treated as temporary, but they have long-term consequences on employment, trade, and foreign exchange earnings."

K M Subramanian, president of the Tirupur Exporters Association, pointed out that the rising shipping costs have forced businesses to increase the prices of their products, making it difficult to compete with countries like Bangladesh and Vietnam. "In Tirupur, 90% of textile players are micro, small, and medium enterprises (MSMEs), with only 10% being large companies. The burden of increased shipping costs is especially hard on these smaller enterprises."

TOP 5 NEWS OF THE WEEK

Tamil Nadu textile mills grapple with multiple challenges

Textile factories in Tamil Nadu are grappling with serious challenges, including a drop in demand, high power costs and increased raw material prices, which have persisted for nearly two years. To avoid losing market share to competitors from other states, the industry is urging both the Centre and state governments to intervene to resolve these issues.

Rains, floods destroy over 20 lakh acres of crops in Telangana

Telangana has been badly hit by the recent heavy rains and floods, which have destroyed crops across the state. According to initial estimates, crops on about 4.15 lakh acres have been damaged, but sources say more than 20 lakh acres have been damaged. The final figures will be confirmed after a thorough assessment, but officials are already worried about a significant drop in crop production this season.

Indian textile industry poised to reach $300 billion by 2030, targets $100 billion in exports, says Govt

The Indian textile industry has the potential to become a $300 billion force by 2030, with $100 billion expected to come from exports, the government announced on Wednesday. According to Minister of State for Textiles and External Affairs Pabitra Margherita, the industry, currently valued at $175 billion, comprises $38-40 billion in exports, playing a key role in pushing India's GDP.

North Gujarat farmers worried over monsoon devastation

The monsoon is proving to be a curse for farmers in north Gujarat this year. Incessant rains have ruined major crops like cotton and castor. Waterlogging in fields has led to the crops rotting, ruining the hard work of farmers and increasing their worries.

PLI benefits likely to be extended to textile items

The government is planning to extend the production-linked incentive (PLI) scheme to additional items in the textiles, pharmaceuticals and solar photovoltaics (PV) sectors, while also considering extending its duration to five to six years. The move is aimed at boosting domestic manufacturing, boosting investments and increasing production and exports.

This week, the cotton market witnessed a bullish

This week, cotton market witnessed bullish trend.

North Zone states of Punjab, Haryana and Upper Rajasthan witnessed a rise of Rs.125-150 per candy.

Central Zone states of Gujarat, Madhya Pradesh, Maharashtra witnessed a rise of Rs.500-1200 per candy.

South Zone states of Odisha, Karnataka, Andhra Pradesh and Telangana witnessed a rise of Rs.1000-1600 per candy.

SMART INFO SERVICES
india.smartinfo@gmail.com
Call : 91116 77771

DATE: 07.09.2024

WEEKLY COTTON BALES MARKET

STATE	STAPLE LENGTH	02.09.2024		07.09.2024		CHANGE
		LOW	HIGH	LOW	HIGH	
NORTH ZONE						
PUNJAB	28.5	5,725	5,750	5,875	5,900	150
HARYANA	27.5/28	5,625	5,625	5,775	5,775	150
UPPER RAJASTHAN	28	5,450	5,775	5,550	5,900	125
CENTRAL ZONE						
GUJARAT	29	57,500	59,000	58,700	60,200	1,200
MADHYA PRADESH	29	59,200	59,500	59,800	60,000	500
MAHARASHTRA	29+ vid.	59,000	59,500	59,500	60,000	500
SMART INFO SERVICES CALL : 91116 77771						
SOUTH ZONE						
ODISHA	29.5+	59,000	59,100	60,600	60,700	1,600
KARNATAKA	29.5+	58,500	59,000	59,800	60,300	1,300
ANDHRA PRADESH	29 mic 4+	58,500	59,000	58,500	59,000	0
TELANGANA	29.5/30 mm 78-80 RD	59,300	60,000	60,500	61,000	1,000

NOTE : There may be some changes in the rate depending on the quality.
Punjab, Haryana and Rajasthan rates in maund the rest in Candy